समाहरणालय मुजफ्फरपुर
(जिला गोपनीय प्रशाखा)
****

दूरभाष संख्या : 0621-2212101 [का]
0621-2212105 [आ] 2217285 [फै]
E-mail : dm-muzaffarpur.bih@nic.in

श्री धर्मेन्द्र सिंह, भा.प्र.से. जिलाधिकारी, मुजफ्फरपुर द्वारा दिनांक 09.01.2017 को मद्य निषेध कार्यक्रम के तहत् मानव श्रृंखला निर्माण की तैयारी हेतु विभिन्न स्वंयसेवी संस्थाओं के साथ समीक्षात्मक बैठक की कार्यवाही

उपस्थिति : यथा पंजी संधारित।

विभागीय निदेशानुसार दिनांक 21.01.2017 को मद्य निषेध अभियान के तहत मानव श्रृंखला का निर्माण किया जाना है । विभाग के द्वारा इस कार्य हेतु शिक्षा विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है । उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दिनांक 09.01.2017 को जिले के विभिन्न स्वंयसेवी संस्थाओं/संगठनों के साथ बैठक की गई एवं उन्हें मानव श्रृंखला से संबंधित आवश्यक जानकारियां उपलब्ध करायी गई । साथ ही मानव श्रृंखला निर्माण हेतु जिला प्रशासन को अपेक्षित सहयोग देने हेतु उन्हें संदर्भित किया गया ।

1. सर्वप्रथम जिलाधिकारी, मुजफ्फरपुर द्वारा शराबबंदी को प्रभावी ढंग से लागू रखने हेतु विभागीय निदेशानुसार जिला प्रशासन के स्तर पर की जा रही कार्रवाईयों के बारे में सभी स्वंयसेवी संस्थानों/संगठनों के प्रतिनिधियों को जानकारी दी गई । दिनांक 21.01.2017 को राज्यव्यापी मानव श्रृंखला निर्माण से संबंधित विभाग से प्राप्त अद्यतन दिशानिर्देश से अवगत कराया गया । बताया गया कि विभाग द्वारा इस कार्यक्रम हेतु शिक्षा विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है । जानकारी दी गई कि शराबबंदी के समर्थन में मानव श्रृंखला निर्माण का कार्यक्रम राज्य सरकार की एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है । इस हेतु जिले के सभी स्वंयसेवी संस्थानों/संगठनों के प्रतिनिधियों से आवश्यक सहयोग की अपेक्षा है । अद्यतन दिशानिर्देश के आलोक में मानव श्रृंखला हेतु लगभग 170 किलोमीटर **मुख्य मार्ग** के अलावा विभाग द्वारा इस जिले के लिए लगभग 350 किलामीटर का **पूरक मार्ग** निर्धारित किया गया ।

1.1 जानकारी दी गई कि मुजफ्फरपुर जिले के लगभग 9 से 10 लाख लोगों को मानव श्रृंखला निर्माण में शामिल किया जाएगा, जो कुल आबादी का 20 प्रतिशत होगा । इस प्रकार पूरे राज्य में लगभग 2 करोड़ लोगों को मानव श्रृंखला में शामिल किये जाने का लक्ष्य है । इसलिए सभी स्तरों पर अविलंब सार्थक एवं सकारात्मक पहल करने की आवश्यकता है तथा आप सभी स्वंयसेवी संस्थानों/संगठनों के प्रतिनिधियों का अपेक्षित सहयोग आवश्यक है। अपेक्षा है कि मानव श्रृंखला की तिथि को एक उत्सव के रूप से मनाया जाए, ताकि सभी लोग स्वतः संज्ञान लेते हुए मानव श्रृंखला में शामिल हों एवं इसे सफल बनायें । यह भी बताया गया कि बिहार के लिए यह एक ऐतिहासिक पल होगा तथा विश्व कीर्तिमान स्थापित होगा । साथ ही उक्त मानव श्रृंखला में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों का नाम विश्व कीर्तिमान में शामिल होगा । यह पूरे बिहार के साथ–साथ मुजफ्फरपुर जिला के लिए गौरव की बात होगी । इस अभियान में उत्कृष्ट भागीदारी एवं अभूतपूर्व कार्य हेतु संस्थानों/संगठनों/प्रतिभागियों को चिन्हित कर उन्हें पुरस्कृत भी किया जाएगा तथा 26 जनवरी एवं बिहार दिवस के अवसर पर उन्हें प्रशस्ति पत्र भी दिया जाएगा ।

1.2 बताया गया कि 21.01.2017 से लगातार दो महीने तक मद्य निषेध से संबंधित जागरूकता अभियान पूरे जिले मे चलाया जाएगा । इस हेतु कलाजत्था के माध्यम से नुक्कड़

नाटक/सभा आदि कार्यक्रम किया जाना है । सभी स्वंयसेवी संस्थानों/संगठनों के प्रतिनिधियों से अपील की गई कि अपने स्तर से भी लोगों को जागरूक एवं उत्साहित करने का प्रयास किया जाए ।

2. सभी स्वंयसेवी संस्थानों/संगठनों के प्रतिनिधियों को जानकारी दी गई कि सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारियों को मानव श्रृंखला निर्माण हेतु सभी आवश्यक निदेश उपलब्ध करा दिया गया है । मानव श्रृंखला निर्माण के क्रम में प्रखण्ड मुख्यालय को जिला मुख्यालय से एवं पंचायतों को प्रखण्ड मुखयालय से जोड दिये जाने का लक्ष्य है । निर्धारित **मुख्य मार्ग** एवं **पूरक मार्ग** में कहीं भी मानव श्रृंखला टूटे नहीं इसका विशेष ध्यान रखा जाए ।

3. बताया गया कि मानव श्रृंखला निर्माण हेतु निर्धारित **मुख्य मार्ग** एवं चिन्हित **पूरक मार्ग** पर प्रत्येक 200 मीटर की दूरी एक समन्वयक एवं प्रत्येक एक किलीमीटर की दूरी पर एक सेक्टर इंचार्ज की प्रतिनियुक्ति प्रखण्ड विकास पदाधिकारियों के माध्यम से की जाएगी ।

4. मानव श्रृंखला निर्माण हेतु निर्धारित **मुख्य मार्ग** एवं **पूरक मार्ग** में नजदीकी पंचायतों के लोगों एवं स्कूलों के बच्चों की सम्बद्धता प्रखण्ड विकास पदाधिकारी द्वारा की जा रही है । संबंधित विद्यालय के शिक्षकों, जीविका दीदियों एवं वार्ड सदस्यों को मानवबल एकत्रित करने हेतु लक्ष्य निर्धारित किया जा रहा है । उक्त कार्य में सभी स्वंयसेवी संस्थानों/संगठनों के प्रतिनिधियों का अपेक्षित सहयोग अपेक्षित होगा ।

5. जानकारी दी गई कि सरकार की यह सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा यह कार्यक्रम सफल होगा ऐसा उम्मीद है । मानव श्रृंखला में लोग बढ़–चढ़कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें इस हेतु अधिक से अधिक प्रचार–प्रसार एवं जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है । लोगों को ज्यादा से ज्यादा मोटिवेट करना होगा, ताकि वे खुद इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनने हेतु तत्पर हो जायें ।

6. सभी स्वंयसेवी संस्थानों/संगठनों के प्रतिनिधियों को जानकारी दी गई कि जिलास्तर के सभी विभागों के सभी सरकारी एवं संविदागत कर्मी/सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालय/उच्च विद्यालय/उच्चतर विद्यालय/महाविद्यालय के शिक्षक कर्मी, आशा दीदी, सेविका सहायिका एवं छात्र–छात्रायें मानव श्रृंखला में भाग लेंगे । इसके अलावा जीविका एवं साक्षरता से जुड़े कर्मी एवं सभी जन प्रतिनिधियों के साथ महिला, पुरूष भी भाग लेंगे । इस अभियान में शतप्रतिशत भागीदारी हेतु लोगों को उत्साहित करने एवं उनके बीच जागरूकता फैलाने की कार्रवाई की जा रही है ।

7. बताया गया कि मानव श्रृंखला को प्रभावी बनाने हेतु सभी विद्यालयों के शिक्षकों/छात्रों तथा जीविका दीदियों के द्वारा प्रभात फेरी, साईकिल रैली, चेतना सभा, गोष्ठी एवं मद्य निषेध विषय पर निबंध प्रतियोगिता नियमित रूप से की जाएगी । इसी तरह सभी स्वंयसेवी संस्थानों/संगठनों के प्रतिनिधियों भी अपने स्तर से जन जागरूकता से संबंधित विभिन्न प्रकार के छोटे–छोटे कार्यक्रम कर सकते हैं ।

8. **श्री के.के. कौशिक, अध्यक्ष, रोटरी क्लब सिटी, मुजफ्फरपुर** के द्वारा बताया गया कि सभी प्रखण्डों के दो–दो विद्यालयों को चयन कर उसमें अध्ययनरत बच्चों एवं उनके अभिभावकों को एकत्रित कर प्रोजेक्टर के माध्यम जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा । उक्त कार्यक्रम में शराब से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में बतया जाएगा । यह भी जानकारी दी गई कि उक्त विद्यालयों के छात्राओं को सेनेट्री पैकेट भी दिया जाएगा । इस हेतु संबंधित प्रखण्ड विकास

पदाधिकारी एवं प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी का अपेक्षित सहयोग की आवश्यकता है । अनुरोध किया गया कि कार्यक्रम की रूपरेखा एवं विद्यालयों की सूची जिला शिक्षा पदाधिकारी को उपलब्ध करा दिया जाए । जिला शिक्षा पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर को निदेश दिया गया कि उक्त सूची के आधार पर संबधित विद्यालय के प्रधानाध्यापकों एवं प्रखण्ड शिक्षा पदाधिककारियों को आवश्यक सहयोग हेतु निदेश उपलब्ध करा दी जाए ।

9. **श्री विकास कुमार, प्रतिनिधि, लायन्स क्लब, मुजफ्फरपुर** के द्वारा जानकारी दी गई कि पूरे जिले में लायन्स क्लब का 300–350 मानवबल की क्षमता है । जिन–जिन प्रखण्डों में उनकी संस्था कार्यरत हैं वहां–वहां वे लोगों को मानव श्रृंखला में शामिल होने हेतु उत्साहित एवं जागरूक बनायेंगे । अनुरोध किया गया कि किये जाने वाले कार्यक्रम की विस्तृत कार्ययोजना बना ली जाए एवं उसके अनुरूप गतिविधि प्रारंभ कर दी जाए ।

10. जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर को निदेश दिया गया कि मानव श्रृंखला निर्माण हेतु **मुख्य मार्ग** एवं **पूरक मार्ग** का रूटचार्ट अंतिम रूप से निर्धारित होने के उपरांत सभी स्वंयसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें ।

11. **डॉ0 विरेन्द्र कुमार सिंह, कॉर्डिनेटर, एन.एस.एस. बी0आर0ए0बी0यू0, मुजफ्फरपुर** के द्वारा बताया गया कि प्रत्येक कॉलेज में 100–100 एन.एस.एस. का विद्यार्थी है । अनुरोध किया गया कि अपने कैडर को प्रचार–प्रसार में लगायें । अभी से 10 दिनों तक लगातार अभियान चलाकर जन–जागरूगता अभियान चलायें । कॉलेज के सभी बच्चों को मानव श्रृंखला को सफल बनाने हेतु एवं उनके निर्माण में सहयोग करने हेतु उत्साहबर्द्धन करायें । साथ ही ऐसा किया जाए कि वे सभी बच्चे अपने–अपने अभिभावकों को भी जागरूक कर सके । कॉलेज के छात्रों के माध्यम से रैली, सभा, गोष्टी आदि कार्यक्रम चलायें । साथ ही एन.एस.एस. एवं एन.सी.सी. कैडरों को स्वंयसेवक के रूप से मानव श्रृंखला के दिन निर्धारित पथों पर लगायें ।

12. समीक्षा के क्रम में यह बात प्रकाश में आई कि जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा सभी निजी विद्यालयों के संचालकों के साथ अभी तक बैठक नहीं करायी गई है । जिला शिक्षा पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि शीघ्र सभी निजी विद्यालयों के संचालकों के साथ बैठक कर उन्हें आवश्यक निदेश उपलब्ध करा दिया जाए ।

13. **श्री आर.एन. पाण्डे, जिला युवा समन्वयक, नेहरू युवा केन्द्र, मुजफ्फरपुर** द्वारा जानकारी दी गई कि लगभग 300 युवा क्लब पूरे जिले में कार्यरत है । प्रत्येक क्लब में 10–15 युवा शामिल हैं । अनुरोध किया गया कि सभी क्लब के अध्यक्ष एवं सचिव की बैठक बुलाकर उन्हें आवश्यक निदेश उपलब्ध करा दिया जाए । उनके माध्यम से मानव श्रृंखला में लोंगों को लाने एवं उन्हें जागरूक करने की जवाबदेही दिया जाए । स्थानीय स्तरों पर युवा क्लबों के माध्यम से नुक्कड नाटक/सभा आदि कराया जाए । इस हेतु विधिवत कार्यक्रम बनाकर अभी से ही कार्य प्रारंभ करा दिया जाए ।

14. **कॉल. रामानुज सिंह, गूप कमान्डर, एन0सी0सी0, मुजफ्फरपुर** के द्वारा बताया गया कि पूरे जिले में लगभग 4000 एन0सी0सी0 कैडेट की क्षमता है । अनुरोध किया गया कि अभी से 10 दिनों तक लगातार अभियान चलाकर जन–जागरूगता अभियान चलायें । कॉलेज के सभी बच्चों को मानव श्रृंखला को सफल बनाने हेतु एवं उनके निर्माण में सहयोग करने हेतु उत्साहबर्द्धन करायें । कॉलेज के छात्रों के माध्यम से रैली, सभा, गोष्टी आदि कार्यक्रम च

लायें । साथ ही एन.सी.सी. कैडरों को स्वंयसेवक के रूप से मानव श्रृंखला के दिन निर्धारित पथों पर विधि–व्यवस्था संधारण हेतु भी लगायें ।

15. बताया गया कि मानव श्रृंखला में भाग लेने हेतु लोगों को पदयात्रा कर निर्धारित मार्ग पर ऐ जुलूस के रूप में लाया जाएगा । उस दिन उत्सव का माहौल सृजित किया जाएगा, ताकि लोग स्वंय इसका भागीदार बनने को उत्सुक हो जायें । इस हेतु लोगों को प्रोत्साहित एवं उत्साहबर्द्धन किये जाने की आवश्यकता है तथा अन्य कर्मियों के अलावा सभी स्वंसेवी संस्थान के प्रतिनिधि भी इसमें अहम भूमिका निभायेंगे ।

16. **उत्तर बिहार चेम्बर ऑफ कॉमर्स, मुजफ्फरपुर के प्रतिनिधि** के द्वारा बताया गया कि मानव श्रृंखला निर्माण में अपेक्षित सहयोग हेतु व्यावसायिक वर्गों को उत्साहित एवं जागरूक किया जा रहा है । अनुरोध किया गया कि मुजफ्फरपुर शहरी एवं नगर निकाय क्षेत्रों में अपने स्तर से लोगों को अधिक से अधिक जागरूत करने का प्रयास किया जाए । साथ ही अपने–अपने मुहल्ले में भी सार्थक माहौल बनाने का प्रयास किया जाए । जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर को निदेश दिया गया कि उत्तर बिहार चेम्बर ऑफ कॉमर्स, मुजफ्फरपुर के प्रतिनिधि से समन्वय स्थापित कर उनके द्वारा आयोजित बैठक में जिलास्तर के किसी पदाधिकारी को भी भेजने की कार्रवाई की जाए ।

17. जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर को निदेश दिया गया कि विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गये संगीत सी0डी0, नारे, स्लोगन, जिलास्तर पर बनाये गये अपील आदि की प्रति सभी स्वंयेसंवी संस्थानों/संगठनों के प्रतिनिधियों को भी शीघ्र उपलब्ध करा दी जाए ।

18. जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर को निदेश दिया गया कि रिक्सा एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र के माध्यम से पूरे जिले में जागरूकता अभियान चलायें एवं मानव श्रृंखला निर्माण हेतु माहौल पैदा करायें ।

19. स्वंयेसंवी संस्थानों/संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा सुझाव दिया गया कि जिला प्रशासन के स्तर पर जागरूकता से संबधित स्लाईट, विडियों क्लिप बन जाए तथा सभी सिनेमा हॉल में इसका प्रदर्शन कराया जाए । जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर को निदेश दिया गया कि इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई किया जाए ।

20. **श्री उदय शंकर प्रसाद सिंह, सचिव रेड क्रॉस–सह–अध्यक्ष, जिला मोटर वाहन एसोसिएशन, मुजफ्फरपुर** के द्वारा सुझाव दिया गया कि जिले में चलाये जाने वाले सभी तिपहिया वाहन एवं सरकारी बसों में मानव श्रृंखला से संबंधित पैम्फलेट चिपका दिया जाए । जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर को निदेश दिया गया कि उनसे समन्वय स्थापित करते हुए सभी मोटर वाहन एसोसिएशन के साथ बैठक कर इसका अनुपालन सुनिश्चित करायें ।

21. **श्री अरूण कुमार, कृषि रसायन विशेषज्ञ, बेला, मुजफ्फरपुर** के द्वारा बताया गया कि सभी मजदूरों को मानव श्रृखला निर्माण में भागीदारी हेतु मोटिवेट किया जा रहा है ।

22. जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर को निदेश दिया गया कि सभी स्वंयसेवी संस्थानों के प्रतिनिधियों का व्हाट्स एप ग्रूप बना लिया जाए एवं सभी आवश्यक जानकारियाँ आदान–प्रदान किया जाए ।

21. सभी स्वंयसेवी संस्थानों के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया गया कि शीघ्र कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर उसका कार्यान्वयन कराया जाए, ताकि मानव श्रृंखला निर्माण का कार्य सफलीभूत हो सके ।

22. जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि मोबाइल नेटवर्क के सेवाप्रदाताओं से बात कर मुजफ्फरपुर जिले के लोगों के मोबाइल पर समूह में कॉलर मैसेज भेजवाना सुनिश्चित करें ।

अन्त में सधन्यवाद बैठक की कार्यवाही समाप्त की गई ।

ह०/-

जिलाधिकारी,
मुजफ्फरपुर ।

ज्ञापांक 154 /गो., **दिनांक** 11/01/17

प्रतिलिपि : उप विकास आयुक्त/अपर समाहर्ता/अपर समाहर्ता, अपदा प्रबंधन/सहायक समाहर्ता, मुजफ्फरपुर/अनुमंडलाधिकारी, पूर्वी/पश्चिमी/वरीय उप समाहर्ता प्रभारी, जिला गोपनीय प्रशाखा/जिला शिक्षा पदाधिकारी/जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, साक्षरता/स्थापना जिला जन संपर्क पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर/वाणिज्यक उपायुक्त, पश्चिमी/पूर्वी, मुजफ्फरपुर/जिला अवर निबंधक, मुजफ्फरपुर/जिला लेखा पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर/जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर/सहायक निदेशक, बाल संरक्षण ईकाई/सभी प्रखण्डों के वरीय प्रभारी पदाधिकारी/सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारियों/अंचलाधिकारियों, मुजफ्फरपुर जिला को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित ।

प्रतिलिपि – श्री के.के. कौशिक, अध्यक्ष, रोटरी क्लब सिटी, मुजफ्फरपुर/श्री जुनैद खान, रोटरी क्लब सिटी, मुजफ्फरपुर/श्री विकास कुमार एवं श्री राजीव कुमार, प्रतिनिधि, लायन्स क्लब, मुजफ्फरपुर/ डॉ0 विरेन्द्र कुमार सिंह, कॉर्डिनेटर, एन.एस.एस. बी0आर0ए0बी0यू0, मुजफ्फरपुर/श्री आर.एन. पाण्डे, जिला युवा समन्वयक, नेहरू युवा केन्द्र, मुजफ्फरपुर/कॉल. रामानुज सिंह, गूप कमान्डर, एन0सी0सी0, मुजफ्फरपुर/श्री राजीव केजरीवाल, एवं राज किशोर बंकर, उत्तर बिहार चेम्बर ऑफ कॉमर्स, मुजफ्फरपुर/श्री उदय शंकर प्रसाद सिंह, सचिव रेड क्रॉस–सह–अध्यक्ष, जिला मोटर वाहन एसोसिएशन, मुजफ्फरपुर/श्री अरूण कुमार, कृषि रसायन विशेषज्ञ, बेला, मुजफ्फरपुर/श्री ईश्वर गप्ता, गणेश फाउण्ड्री एण्ड केसिंग लिमिटेड, **मुजफ्फरपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित ।**

जिलाधिकारी,
मुजफ्फरपुर ।